सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्षः 8 ● अंकः 03 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 3 फरवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

समाज के लिए छोटी सेवाएं प्रदान करके हम समाज को बदलते हैं। जैसे दही की एक बूंद जब दूध में डाली जाती है तो उसे दही में बदल देती है।

-महात्रिया रा

जिद...सच की

उत्तराखंड में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के... 2 | वेस्ट यूपी में भाजपा के लिए करो... 3 | दो महिला आईएएस भी उत्पीड़न... 7

इधर सीएम गिना रहे थे सरकार की उपलब्धियां उधर सो रहे थे मंत्री कौशल किशोर

फोटो: सुमित कुमार

» मोदी मंत्रिमंडल में राज्य मंत्री हैं कौशल किशोर, अनुराग ठाकुर ने जगाया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से पहले आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जब प्रेस कांफ्रेंस कर सरकार की उपलब्धियां गिना रहे थे तब वहां मौजूद केंद्रीय राज्य मंत्री कौशल किशोर सो रहे थे। मीडिया ने जैसे ही मंत्री की ओर कैमरा किया तो प्रेस कांफ्रेंस में मौजूद केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने उनको जगाया। इसके बाद भी कौशल किशोर एक बार फिर सोते नजर आए। यह पहली घटना नहीं है। सीएम योगी के भाषणों के दौरान भी ऐसे कई मामले सामने आ चुके हैं जब विधायक और मंत्री सोते दिखे हैं।

सबसे ज्यादा गुंडों को भाजपा ने दिया टिकट, पहले भी सबसे अधिक अपराधी विधायक थे भाजपा में

- पहले चरण के चुनाव में भाजपा के 57 प्रत्याशियों में 29 पर आपराधिक मामले दर्ज
- मेरठ के सिवाल खास से भाजपा उम्मीदवार मनिंदर पाल पर दर्ज हैं डेढ़ दर्जन मुकदमे
- एडीआर की रिपोर्ट से खुलासा, कांग्रेस समेत अन्य दलों ने भी दिए दागियों को टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश को अपराध मुक्त करने का दावा करने वाली भाजपा की पोल एक बार फिर खुल गयी है। सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा ने फिर तमाम दागियों को विधान सभा के चुनाव मैदान में उतारा है। पहले चरण में सबसे अधिक आपराधिक छवि वाले उम्मीदवार भाजपा के टिकट पर ताल ठोक रहे हैं। भाजपा के 57 प्रत्याशियों में 29 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। दागियों को टिकट देने में सपा और कांग्रेस दूसरे नंबर पर है। बसपा तीसरे और रालोद चौथे स्थान पर है। यह खुलासा एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स इलेक्शन वॉच (एडीआर) ने उम्मीदवारों के हलफनामों का विश्लेषण करने के बाद किया है।

यूपी विधान सभा के पहले चरण का चुनाव दस फरवरी को होना है। सभी दलों ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है। भाजपा ने पहले चरण के चुनाव में सबसे अधिक दागी प्रत्याशियों पर दांव लगाया है। एडीआर के कोआर्डिनेटर अनिल शर्मा के मुताबिक पहले चरण की 58 सीटों पर 623 प्रत्याशी मैदान में हैं। इसमें 615 प्रत्याशियों के हलफनामे का विश्लेषण किया गया है। इसमें एक चौथाई यानी 156 उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसमें 121 पर गंभीर अपराधिक मामले हैं। इस चरण के लिए प्रत्याशियों द्वारा दाखिल किए गए हलफनामे के मुताबिक भाजपा के 57 प्रत्याशियों में से 29 पर आपराधिक मामले दर्ज हैं जबकि सपा के 28 में से 21 और रालोद के 29 में से 17 प्रत्याशियों पर आपराधिक केस हैं। दूसरी ओर कांग्रेस के 58 में 21 प्रत्याशी, बसपा के 56 में 19 उम्मीदवार और आम आदमी पार्टी के 52 में से 8 प्रत्याशियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। गौरतलब है कि पिछली विधान सभा चुनाव में भी भाजपा के सौ से अधिक दागी प्रत्याशी विधायक बने थे।

भाजपा के 55 प्रत्याशी हैं करोड़पति

रिपोर्ट के मुताबिक पहले चरण में 280 प्रत्याशी करोड़पति हैं। सबसे अधिक करोड़पति उम्मीदवार भाजपा में हैं। भाजपा के 57 में 55 प्रत्याशियों ने अपनी संपत्ति एक करोड़ या इससे अधिक बतायी है। बसपा के 56 में 50 और कांग्रेस के 32 उम्मीदवार करोड़पति हैं। सपा के 23 उम्मीदवार और राष्ट्रीय लोकदल के 28 उम्मीदवार करोड़पति हैं। आम आदमी पार्टी के भी 52 में से 22 उम्मीदवार करोड़पति हैं। मेरठ कैंट सीट से भाजपा के उम्मीदवार अमित अग्रवाल की कुल चल और अचल संपत्ति 148 करोड़ की है। अमित पर 13 करोड़ की देनदारी भी है। बसपा के मथुरा सीट से उम्मीदवार एसके शर्मा की कुल संपत्ति 112 करोड़ से अधिक है। सपा के बुलंदशहर की सिकंदराबाद सीट से उम्मीदवार राहुल यादव की संपत्ति 100 करोड़ है।

सुरेश राणा से लेकर संगीत सोम तक पर केस

कई प्रमुख प्रत्याशियों पर भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। गन्ना मंत्री और भाजपा से थानाभवन शामली से प्रत्याशी सुरेश राणा पर तीन और मुजफ्फरनगर से किस्मत आजमा रहे मंत्री कपिल देव अग्रवाल पर सात केस दर्ज हैं। मेरठ की सरधना सीट से चुनाव लड़ रहे भाजपा विधायक संगीत सोम के खिलाफ भी आपराधिक मामले दर्ज हैं। सपा सरकार में मंत्री रहे किठोर सीट से चुनाव लड़ रहे शाहिद मंजूर पर भी दो मुकदमे दर्ज हैं।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

2017 विधान सभा चुनावः भाजपा के 106 विधायकों पर आपराधिक केस

एडीआर ने पिछले साल उत्तर प्रदेश की 403 विधान सभा के 396 विधायकों के वित्तीय, आपराधिक व अन्य विवरणों का विश्लेषण किया था। तब विधान सभा में 7 सीटें खाली थी। एडीआर ने 2017 में चुनाव के दौरान उम्मीदवारी पेश करते वक्त दाखिल किए गए शपथ पत्र का विश्लेषण कर रिपोर्ट जारी की थी। इस रिपोर्ट के मुताबिक यूपी में 140 यानी 35 फीसदी विधायकों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इन 140 विधायकों में 106 विधायक ऐसे हैं जिनपर हत्या, लूट, डकैती और दंगे जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भाजपा के 304 विधायकों में से 106 पर, सपा के 49 में से 18 पर, बसपा के 18 में से 2 पर और कांग्रेस के एक विधायक पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मुख्य बिंदु

- सबसे अधिक 32 मुकदमे मेरठ की हस्तिनापुर सीट से सपा उम्मीदवार योगेश वर्मा पर हैं। इसमें 71 धाराएं गंभीर अपराध की हैं। इसमें हत्या के प्रयास की धाराएं भी शामिल हैं।
- दूसरे नंबर पर भाजपा के मेरठ की सिवालखास सीट से उम्मीदवार मनिंदर पाल हैं। उनके खिलाफ कुल 18 मुकदमे दर्ज हैं इसमें 36 धाराएं गंभीर अपराध की हैं।
- सरधना से सपा उम्मीदवार अतुल प्रधान के खिलाफ 38 मामले दर्ज हैं।
- 12 ऐसे प्रत्याशी हैं जिनपर महिला संबंधी अपराधिक मामले दर्ज हैं। इसमें बुलंदशहर से रालोद प्रत्याशी मोहम्मद युनुस पर दुष्कर्म का मामला शामिल है।

सिखों से हमारा रिश्ता तोड़ना चाहती हैं बाहरी व अंदरूनी ताकतें : राजनाथ

» रक्षामंत्री ने समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीलीभीत में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। सपा पर तीखा हमला करते हुए कहा कि इन लोगों ने राजनीति का अर्थ, महत्व और भाव बदल दिया। राजनीति में जो विश्वास का संकट खड़ा हो गया था, उसे भारतीय जनता पार्टी ने न सिर्फ बहाल किया बल्कि समाज में विश्वास को जगाया। उन्होंने कहा कि सपा की नैया डूब रही है। डूबते को तिनके का सहारा लाल पोटली बन गई है। बोले डूबने से लाल पोटली भी नहीं बचा पाएगी। बाहरी व अंदरूनी ताकतें सिखों से हमारा रिश्ता तोड़ने में लगी हैं।

बरेली के अग्रवाल सभा भवन परिसर में भाजपा की ओर से आयोजित प्रभावी मतदाता संवाद कार्यक्रम में बोलते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि उनकी पार्टी के किसी भी विधायक पर जिस दिन भ्रष्टाचार का एक छींटा भी पड़ जाएगा, तो उस दिन

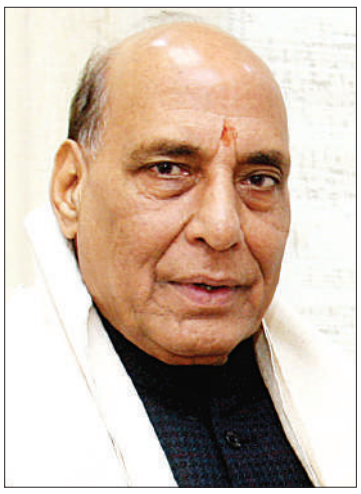

पार्टी विधायक को बाहर कर देगी। कहा कि कांग्रेस की सरकार पर जब तब भ्रष्टाचार के आरोप लगा करते थे। कई मंत्रियों को भ्रष्टाचार में जेल की हवा खानी पड़ी। मोदी-योगी सरकार के मंत्रियों के लिए कोई माई का लाल भ्रष्टाचार की बात नहीं कह सकता। प्रधानमंत्री मोदी ने भ्रष्टाचार को रोकने के लिए कार्य किया। किसानों को सम्मान निधि के तौर पर दिए जाने वाले छह हजार रुपए पूरे के पूरे उनके खातों में सीधे पहुंच रहे। कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए राजनाथ बोले कि राजीव गांधी जब प्रधानमंत्री थे, तब उन्होंने खुद कहा था कि दिल्ली से 100 पैसे भेजे जाते हैं, लेकिन पहुंचते 15 पैसे हैं। सरकार ने डिजिटलाइजेशन से भ्रष्टाचार को खत्म किया। जिले में कृषि की प्रगति का उल्लेख करते हुए इसमें सिख किसानों की भूमिका को सराहा। सिख कौम को बहादुर बताते हुए उन्होंने कहा कि भाईचारा को तोड़ने वाली शक्तियों से संघर्ष में सिखों ने अपने सिर कलम करा दिए लेकिन झुके नहीं। महाराजा रणजीत सिंह का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में सोने का छत्र लगवाया तो काशी के विश्वनाथ मंदिर में भी सोने का छत्र लगवाने का काम किया। कहा कि विरोधी लोग पहले कहा करते थे कि हर चुनाव में राम मंदिर का मुद्दा ले आते हैं। कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त करने की बात कहते हैं। परिस्थितियां ऐसी बनी कि अयोध्या में भव्य मंदिर का निर्माण हो रहा है।

यूपी में डूब रही है सपा की नैया अब कोई सहारा नहीं बचा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पीलीभीत जिले की चार विधानसभा क्षेत्रों के उम्मीदवारों के समर्थन में सभा को संबोधित किया। राजनाथ सिंह ने सपा और कांग्रेस पर तीखे वार किए और कहा कि वह सपा से सीधा सवाल पूछते हैं- जब भी आपकी हुकूमत आती है तब गुंडागर्दी क्यों बढ़ जाती है? जाति और संप्रदाय के नाम पर राजनीति क्यों करते हैं? क्या इंसाफ और इंसानियत के नाम पर राजनीति नहीं हो सकती। राजनाथ ने कहा यूपी में सपा की नैया डूबने वाली है। कोई सहारा नहीं बचा है। लाल टोपी भी नहीं बचा पाएगी। वर्ष 2017 में जब योगी सरकार बनी तब यूपी की अर्थव्यवस्था 11 लाख करोड़ की थी जो अब बढ़ कर 21 लाख करोड़ पहुंच गई है। जब-जब यूपी में भाजपा की सरकार आती है विकास योगासन करने लगता है।

भाजपा प्रत्याशी अदिति सिंह के पति अंगद मुश्किल में फंसे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश में रायबरेली सदर सीट से भाजपा प्रत्याशी अदिति सिंह के पति अंगद सिंह की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले कांग्रेस ने उनकी टिकट काट दी और अब वह चुनाव आयोग के निशाने पर आ गए हैं। पंजाब के नवांशहर विधानसभा क्षेत्र से निवर्तमान विधायक अंगद ने कांग्रेस का टिकट न मिलने पर निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन पत्र भरा है। उन पर आरोप है कि नामांकन भरते समय उन्होंने आदर्श चुनाव संहिता का उल्लंघन किया है।

वह अनुमति से अधिक समर्थकों को अपने साथ लेकर नामांकन भरने पहुंचे। उस समय उनके साथ बड़ी संख्या में समर्थक थे। सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट (एसडीएम)- कम -रिटर्निंग अफसर डा. बलजिंदर सिंह ढिल्लो ने इस रिपोर्ट का संज्ञान लेते हुए उन्हें नोटिस जारी किया है। रिटर्निंग अफसर ने कहा कि यह आदर्श चुनाव संहिता और निर्वाचन आयोग के आदेशों का स्पष्ट उल्लंघन है।

लखनऊ पूर्व से मनोज तिवारी होंगे कांग्रेस के प्रत्याशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस ने कल 27 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। इसमें सात सीटों पर प्रत्याशियों को बदल दिया है। पार्टी ने लखनऊ पूर्वी से घोषित उम्मीदवार पंकज तिवारी का टिकट बदलते हुए मनोज तिवारी को प्रत्याशी बनाया है। कांग्रेस की सूची के मुताबिक कुर्सी से अब उर्मिला पटेल को टिकट दिया गया है।

इससे पहले यहां से जमील अहमद को टिकट दिया गया था। इनके अलावा बाराबंकी से गौरी यादव के स्थान पर रूही अरशद और भिनगा से वंदना शर्मा के स्थान पर गजाला चौधरी को उम्मीदवार बनाया गया है। इसी प्रकार खलीलाबाद से सबीहा खातून के स्थान पर डॉ. अमरेंद्र भूषण, पिपराइच से मेनिका पांडेय के स्थान पर सुमन चौहान और मऊ से मानवेंद्र बहादुर सिंह का टिकट बदलकर अब माधवेन्द्र सिंह को नया उम्मीदवार बनाया गया है। उधर कानपुर में कांग्रेस प्रत्याशी नेहा ने नामांकन दाखिल करने के बाद बताया कि सियासत में आने के लिए खुद को मानसिक रूप से मजबूत किया है। कांग्रेस से काफी उम्मीद दिखी, इसलिए इस पार्टी के साथ आई।

पसंद की सीटें न मिलने से पल्लवी पटेल ने लौटाया टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को हराने के लिए हाथ थामकर आगे बढ़ी समाजवादी पार्टी (एसपी) और अपना दल (कमेरावादी) के रास्ते चुनाव मैदान में पहुंचने से ही अलग-अलग होते नजर आ रहे हैं। मनमाफिक सीटें न मिलने से नाराजगी जताते हुए अपना दल (कमेरावादी) ने उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय लिया है। सिराथू से भाजपा प्रत्याशी व उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के खिलाफ सपा द्वारा प्रत्याशी घोषित की गईं पल्लवी पटेल का टिकट उनके पति व दल के राष्ट्रीय महासचिव पंकज निरंजन पटेल ने लौटा दिया है। इससे पहले गठबंधन में मिले सात टिकट सपा को लौटा चुके पंकज ने खुद सीटों का तालमेल न बैठ पाने की बात स्वीकार की है। अखिलेश यादव ने अनुप्रिया की मां कृष्णा पटेल के नेतृत्व वाली अपना दल (कमेरावादी) के साथ समझौता किया है।

लखनऊ की सरोजनी नगर सीट पर कांटे की टक्कर

» राजेश्वर के मुकाबले सपा के अभिषेक का पलड़ा भारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधानसभा चुनाव की हॉट सीटों में शुमार लखनऊ जिले की सरोजनीनगर सीट से भाजपा ने ईडी के पूर्व डायरेक्टर राजेश्वर सिंह को उम्मीदवार बनाया हैं। राजेश्वर सिंह ने देर शाम महिला कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) स्वाती सिंह के आवास जाकर उनसे मुलाकात की। स्वाती सिंह ने राजेश्वर को बधाई दी।

राजेश्वर सिंह ने कहा कि मिलकर सरोजनीनगर विधानसभा क्षेत्र का विकास कराएंगे। दरअसल इस सीट से मौजूदा विधायक और योगी सरकार की मंत्री स्वाती सिंह को इस बार भाजपा ने टिकट नहीं दिया है। बता दें कि लखनऊ की

सरोजनीनगर सीट परंपरागततौर पर सपा और बसपा का गढ़ रही है। 2017 के चुनाव में स्वाति सिंह ने पहली बार कमल खिलाया था लेकिन इस बार उनका टिकट कट चुका है। पहली बार चुनाव मैदान में उतर रहे राजेश्वर सिंह के सामने बसपा से मोहम्मद जलीस खान मैदान में हैं। कांग्रेस ने रुद्र दमन सिंह को टिकट दिया है। वहीं सपा ने पूर्व मंत्री अभिषेक मिश्रा को टिकट दिया है। खाकी छोड़ खादी अपनाने वाले सुपरकॉप राजेश्वर सिंह के लिए यह लड़ाई आसान नहीं होगी।

बामुलाहिज़ा

कार्टून: हसन जैदी

उत्तराखंड में मुस्लिम यूनिवर्सिटी के मुद्दे पर गरमाई सियासत, निशाने पर रावत

» रावत ने इसे भाजपा नेताओं की साजिश करार दिया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। चुनाव मैदान से हटने के बाद कांग्रेस के बागी नेता के एक बयान के बाद प्रदेश में धार्मिक तुष्टिकरण पर सियासत गरमा उठी है। इस पर मुख्यमंत्री, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत की जुबान से बयानों के तीर छूट रहे हैं। कांग्रेस नेता अकील अहमद ने प्रदेश में कांग्रेस सरकार बनने पर मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाने की बात कही तो भाजपा ने इस मुद्दे को लपक लिया।

मुख्यमंत्री ने आरोप दागा कि आजादी के बाद से ही कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टिकरण किया और पूर्व कांग्रेस सरकार में भी पार्टी इसी फार्मूले पर चली। धामी ने कहा कि पूर्व सरकार में जुमे की नमाज की छुट्टी तक दे

दी गई। धार्मिक तुष्टिकरण के मुद्दे पर कांग्रेस की आलोचना करने से भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक भी नहीं चूके। उन्होंने भी मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनाए जाने के मुद्दे पर कांग्रेस पर प्रहार किया। रावत ने इसे भाजपा नेताओं की साजिश करार दिया। उन्होंने कहा कि अकील अहमद के बयान को भाजपा को लोग सोची समझी साजिश के तहत तूल दे रहे हैं। जब हमने संस्कृति यूनिवर्सिटी बनाने की बात कही तो इस पर ध्यान नहीं दिया, लेकिन किसी मुस्लिम यूनिवर्सिटी को लेकर कुछ दिया तो इसे तूल दिया जा रहा है। इस पर पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि देश की आजादी से लेकर अब तक कांग्रेस तुष्टिकरण की राजनीति करती आई है। इनकी पिछली सरकार में भी तुष्टिकरण देखा गया। जब किसी दिन छुट्टी नहीं होती थी, इन्होंने जुमे की नमाज के लिए छुट्टी की। अब ये चुनाव में चारधाम की बात कर रहे हैं। देवभूमि में इनका चारधाम का मतलब यही है कि उत्तराखंड में ये मुस्लिम यूनिवर्सिटी बनवाएंगे। कांग्रेस ने हमेशा वोटों की राजनीति की है। इन्हें कभी प्रदेश व देश को आगे बढ़ाने की बात नहीं की। आज भी वह वोटों के लिए सौदा कर रहे हैं, लेकिन प्रदेश की देश भक्त और राम भक्त जनता इनकी चालों को अच्छी तरह समझती है।

वेस्ट यूपी में भाजपा के लिए करो या मरो की स्थिति

» मुद्दों की धार मंद, वार आमने-सामने

» 2017 के चुनाव में चली थी भाजपा की आंधी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पहले चरण में यूपी के 11 जिलों की 58 सीटों पर 10 फरवरी को मतदान होना है। पिछले चुनाव में इन सीटों पर भाजपा की आंधी चली थी। इस बार जबरदस्त टक्कर है। सपा-रालोद गठबंधन हुंकार भर रहा है तो भाजपा ने भी साख को बरकरार रखने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अलावा गृहमंत्री अमित शाह बार-बार यहां आकर मतदाताओं को साध रहे हैं।

हर तरह का प्रयोग किया जा रहा है। सभी दल ध्रुवीकरण से लेकर अन्य सभी दांवपेचों का इस्तेमाल कर रहे हैं। बसपा भी सोशल इंजीनियरिंग में जुटी हुई है। इस जद्दोजहद में सुरक्षा और कृषि कानून के मुद्दे तो जोर-शोर से उठ रहे हैं, पर अन्य अहम मुद्दे कहीं पीछे छूट रहे हैं। अब तो हर दांव-पेच आजमाए जा रहे हैं। भाजपा जहां सुरक्षा के मुद्दे को बड़ा बनाए हुए है तो सपा-रालोद गठबंधन किसानों के मुद्दों को उठाने की भरपूर कोशिश कर रहा है। कहा जा रहा है कि वेस्ट यूपी में भाजपा के लिए करो या मरो की स्थिति है।

मुद्दों पर बंटे हुए हैं मतदाता

मेरठ की दक्षिण विधानसभा सीट के गांव परतापुर के अजय बताते हैं कि आंदोलन तो खत्म हो गया। मांग भी मान ली। अब लकीर पीटने से क्या फायदा? अजय ने विषयांतर करते हुए सवाल उठाया, सरेआम छेड़छाड़ के मामलों को भूल गए क्या? अब चैन से रहना रास नहीं आ रहा? तो टिंकू ने कहा, ऐसा कुछ नहीं है। सरकार बिना वजह इसे हवा दे रही है। शेखर शर्मा बोल उठे, विकास को भी थोड़ा याद कर लो। वैसे तो सरकार ने प्रदेश भर में गुंडों को सबक सिखाया और चुनाव में यही मुद्दा सबसे बड़ा है।

टिकट पर भी मुखर हैं लोग

खतौली विधानसभा क्षेत्र के गांव मंसूरपुर में लव चौधरी कहते हैं, किसानों के मुद्दे बड़े हैं। पर वे गठबंधन के कई सीटों पर गैर जाटों को टिकट दिए जाने पर नाराजगी जताते हैं। लव कहते हैं, सिवालखास में जाट उम्मीदवार को ही रालोद से टिकट मिलना चाहिए था। हालांकि वह यह भी जोड़ते हैं कि गठबंधन मजबूती से लड़ रहा है। वहीं, अनिल कहते हैं कि लड़ाई बराबरी की है। भाजपा भी यहां कमजोर नहीं है। सबके अपने-अपने समीकरण हैं।

सरधना में कांटे की टक्कर

मेरठ की सरधना सीट इस बार हॉट बनी हुई है। यहां भाजपा के मौजूदा विधायक संगीत सोम और सपा के अतुल प्रधान के बीच सीधी टक्कर है। बसपा ने संजीव धामा और कांग्रेस ने रिहानुद्दीन को मैदान में उतारा है। 2017 में बसपा ने हाजी याकूब कुरैशी के पुत्र इमरान कुरैशी को चुनाव लड़ाया था। इस बार वे चुनावी मैदान में नहीं हैं। इसका फायदा अतुल प्रधान को मिलता दिख रहा है। संजीव धामा के मैदान में उतरने के फायदे और नुकसान दोनों तरफ दिख रहे हैं।

कैराना में सबने झोंकी ताकत

पिछले चुनाव में प्रदेश भर में भाजपा की आंधी चली थी पर कैराना का चक्रव्यूह भाजपा नहीं भेद पाई थी। सपा के नाहिद हसन से भाजपा की मृगांका सिंह को हार का सामना करना पड़ा था। इस बार भाजपा ने कैराना में पूरी ताकत लगा दी है। पिछले दोनों उम्मीदवार आमने-सामने हैं। बसपा के राजेंद्र उपाध्याय और कांग्रेस के मो. अखलाक भी पूरी ताकत लगाए हुए हैं। माना जा रहा है कि भाजपा और सपा के बीच सीधा मुकाबला है। पर बसपा और कांग्रेस के उम्मीदवारों की मजबूती सीधे मुकाबले वाले दिग्गजों की हार-जीत का आधार तय कर रही है।

अब मायावती ने संभाली चुनाव प्रचार की कमान, यूपी में सियासी पारा चढ़ा

» पहले चरण के चुनाव प्रचार के आठ दिन पहले बसपा प्रमुख ने की जन सभा

» विपक्षियों पर साधा निशाना, सरकार बनाने का किया दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आखिरकार बसपा प्रमुख मायावती ने चुनाव प्रचार की कमान संभाल ली। उन्होंने विधान सभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से आठ दिन पहले आगरा में जनसभा की और अपने समर्थकों का उत्साह बढ़ाया। इसके अलावा उन्होंने विपक्षियों पर चुन-चुनकर प्रहार किए। साथ ही प्रदेश में एक बार फिर बसपा सरकार बनाने का दावा किया।

विधान सभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद प्रदेश का सियासी पारा लगातार चढ़ता जा रहा है। भाजपा और सपा के नेता धुंआधार प्रचार कर रहे हैं।

वोटरों को लुभाने के लिए बड़े-बड़े वादे किए जा रहे हैं। वहीं दूसरी ओर बसपा मुखिया मायावती के सक्रिय नहीं होने पर विपक्ष सवाल भी उठाता रहा। इन सबके बीच बसपा प्रमुख ने चुनाव की कमान संभाल ली और पहले चरण के मतदान के आठ दिन पहले उन्होंने आगरा से विधान सभा चुनाव प्रचार का आगाज किया। यहां मायावती ने कोठी मीना बाजार में जनसभा को संबोधित किया और विपक्षी दलों पर जमकर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस गरीबों को लुभाने के लिए नाटक कर रही है। कांग्रेस जब सत्ता में होती है तो उन्हें अनुसूचित जाति का ध्यान नहीं रहता। सपा के शासन काल में गुंडों का राज रहा। मुजफ्फरनगर दंगा इसका उदाहरण है। सपा के समय विकास एक क्षेत्र तक सिमटा रहा। सपा ने सत्ता में आते ही हमारी पार्टी ने दलित व पिछड़े वर्गों के महापुरुष के नाम पर जिन जिलों व योजनाओं के नाम रखे थे उन्हें बदल दिया। दलित वर्ग के लोगों को प्रमोशन में आरक्षण का बिल फाड़ा गया। मायावती ने भाजपा पर भी जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जातिवाद की राजनीति की। दलित व महिलाएं सुरक्षित नहीं। मुस्लिमों के साथ पक्षपात का रवैया अपनाया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने बेरोजगारी बढ़ाई है। पूरे देश में भाजपा की गलत नीतियों के कारण किसान परेशान हैं।

सभी सीटों पर चुनाव लड़ रही बसपा

बसपा प्रदेश की सभी 403 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। बसपा प्रमुख का दावा है कि वह एक बार फिर प्रदेश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी। बसपा प्रमुख मायावती ने दावा किया की कि मीडिया के ओपिनियन पोल धराशायी हो जाएंगे और प्रदेश के विधान सभा चुनाव के परिणाम 2007 की तरह चौंकाने वाला होगा। बसपा प्रदेश का संपूर्ण विकास करेगी।

मायावती ने किए कई वादे

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा कि बसपा ने चार बार के शासनकाल में सभी वर्गों के लिए बिना किसी भेदभाव व पक्षपात के काम किया। बसपा की सरकार बनने पर पूर्व की तरह ही सभी वर्गों, लोगों के लिए काम किए जाएंगे। किसानों को निराश नहीं होने देंगे। सर्वसमाज के महापुरुषों के नाम पर बसपा की पुरानी योजनाओं को पुनः लागू करेंगे। कानून व्यवस्था को मजबूत बनाया जाएगा। गुंडों, माफिया, अराजक तत्वों को जेल भेजा जाएगा। भाजपा द्वारा गलत मामलों में फंसाए गए लोगों के मामलों की जांच कराई जाएगी।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

टेली मेंटल हेल्थ प्रोग्राम के मायने

"सवाल यह है कि मानसिक स्वास्थ्य पर सरकार को फोकस क्यों करना पड़ रहा है? क्या कोरोना ने लोगों की मानसिक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाला है? योजना जमीन पर कब उतरेगी? क्या बिना जागरूकता इस योजना का लाभ लोग उठा सकेंगे? क्या टेली मेंटल हेल्थ सेंटर के एक्सपर्ट्स आसानी से लोगों तक अपनी पहुंच बनाने में सफल हो सकेंगे?

कोरोना काल में पेश किए गए बजट में सरकार ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी फोकस किया है। मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित समस्याओं की चिकित्सा उपलब्ध कराने के लिए नेशनल टेली मेंटल हेल्थ प्रोग्राम को शुरू करने का ऐलान किया गया है। इसके लिए 23 टेली मेंटल हेल्थ सेंटर्स का नेटवर्क तैयार किया जाएगा और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मेंटल हेल्थ एंड न्यूरोसाइंसेज को इसका नोडल सेंटर बनाया जाएगा। वहीं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंफार्मेशन टेक्नालॉजी बेंगलुरू की ओर से इस प्रोग्राम को तकनीकी सहायता उपलब्ध करायी जाएगी। इसके तहत लोगों को मेंटल हेल्थ केयर और काउंसिलिंग जैसी सुविधाएं मिल सकेंगी। सवाल यह है कि मानसिक स्वास्थ्य पर सरकार को फोकस क्यों करना पड़ रहा है? क्या कोरोना ने लोगों की मानसिक सेहत पर नकारात्मक प्रभाव डाला है? योजना जमीन पर कब उतरेगी? क्या बिना जागरूकता इस योजना का लाभ लोग उठा सकेंगे? क्या टेली मेंटल हेल्थ सेंटर के एक्सपर्ट्स आसानी से लोगों तक अपनी पहुंच बनाने में सफल हो सकेंगे? क्या अन्य स्वास्थ्य सेवाओं की तरह इसका हाल भी बेहाल तो नहीं हो जाएगा?

कोरोना ने पूरे देश को अपनी चपेट में ले रखा है। तीसरी लहर कोहराम मचा रही है। संक्रमण के केसों में कमी आ रही है लेकिन लोगों की मौतों में इजाफा हो रहा है। यह चिंताजनक है। पिछली दो लहरों में कोरोना संक्रमण के चलते देश में करीब साढ़े चार लाख लोगों की मौत हुई। यह वह आंकड़ा है जो दस्तावेजों में दर्ज है जबकि मौतों का ग्राफ इससे अधिक रहा। कोरोना के कारण अपनों के खोने और लॉकडाउन के चलते रोजी-रोजगार के छिन जाने से लोगों की मानसिक सेहत पर बुरा असर पड़ा है। स्कूलों के बंद होने के कारण बच्चे भी मानसिक समस्याओं से ग्रसित हुए। उनमें एकाकीपन और गुस्से की प्रवृत्ति बढ़ी है। विशेषज्ञ भी मानते हैं कि कोरोना के कारण लोगों की मानसिक सेहत प्रभावित हुई है। कोरोना से ठीक हुए लोग भी मानसिक और शारीरिक समस्याओं से जूझ रहे हैं। समस्या तब और बढ़ी जब मानसिक समस्याओं से परेशान लोगों को राहत देने के लिए अस्पतालों में अलग से कोई व्यवस्था नहीं की गई। वहीं लोग झिझक के कारण अपनी मानसिक सेहत को लेकर भी चिकित्सकों के पास जाने से बचते हैं। इसके कारण समस्या बढ़ रही है। ऐसे में सरकार का यह कदम सराहनीय है लेकिन यह तभी उपयोगी होगा जब इसे जल्द से जल्द जमीन पर उतारा जाए। टेली सेंटर होने के कारण लोग अपनी समस्याओं को आसानी से चिकित्सकों को बता सकेंगे। झिझक को कम करने के लिए सरकार को व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाना होगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

गति-शक्ति योजना और खेती-किसानी

ब्रजेश झा

बजट में कृषि के संबंध में बहुत ज्यादा बातें नहीं हुई हैं। बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक बात जो बहुत स्पष्टता से कही है, वह यह कि धान और गेहूं की एमएसपी पर 2.37 लाख करोड़ खर्च किये जायेंगे। धान और गेहूं के एमएसपी के आमद में 2.37 लाख करोड़ का प्रावधान बहुत बड़ी रकम है। यह बहुत प्रोडक्टिव भी नहीं है। इससे सभी जगह के किसानों को लाभ नहीं मिलने वाला है। इसमें कुछ खास जगह के किसानों को ही सही तरीके से लाभ पहुंच पाता है। पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को इसलिए यह खर्च बहुत अच्छा नहीं कहा जायेगा, जबकि सरकारी की जो डीसीपी प्रणाली यानी डिसेंट्रलाइज्ड सीरियल प्रोक्योरमेंट सिस्टम है, उसके तहत बिहार जैसे राज्य भी किसानों से खरीद कर सकते हैं और वहां के किसान भी लाभान्वित हो सकते हैं, लेकिन इस प्रणाली से खरीद हमारे यहां बहुत कम है।

डीसीपी प्रणाली के तहत प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के अंतर्गत आपको जितना अनाज आवंटन करना है या आंगनबाड़ी योजना के लिए जितने अनाज का वितरण करना है, उतने की खरीद सरकार अपने राज्य के किसानों से कर सकती है। दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो पाता और इस बार भी यह कमी रह गयी है। एक और बात, यहां के किसानों की जो बहुत-सी समस्याएं हैं, वो ज्यादातर मजदूरों की समस्याएं हैं। इन राज्यों में जो खेतिहर मजदूर हैं, उनका कौशल विकास ठीक तरीके से नहीं हुआ है, जिससे वे मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में जा सकें, अच्छा रोजगार प्राप्त कर सकें। इसके लिए बहुत सारी व्यवस्था की गयी है। कौशल विकास पर काफी ध्यान दिया गया है, जैसे- मैन्युफैक्चरिंग, विशेष कर इंटरमीडिएट मैन्युफैक्चरिंग को काफी बढ़ावा मिला है। एक प्रावधान जो इस बजट में किया गया है, वह है प्रधानमंत्री गति-शक्ति योजना के तहत राज्य सरकार भी एक लाख करोड़ तक खर्च कर सकती है। यह व्यवस्था खेती और ग्रामीण व्यवस्था के सुधार के लिए बेहतर साबित हो सकती है। यह एक अच्छा कदम है। प्रधानमंत्री गति-शक्ति योजना से संबंधित लॉजिस्टिक्स, कम्युनिकेशन गांवों एवं किसानों तक पहुंच सकती है। इस एक लाख करोड़ के बजट को यदि बिहार सरकार भी ठीक से इस्तेमाल करेगी, तो खेती और ग्रामीण व्यवस्था में सुधार होगा।

डिजिटल और हाइटेक सेवाओं की जहां तक बात है, तो इससे सभी को लाभ होगा लेकिन दिक्कत है कि अभी तक हमारे सभी गांवों का ठीक से

डिजिटलाइजेशन हुआ नहीं है। हालांकि सरकार कह रही है कि 2023 तक हर गांव तक फाइबर पहुंचाने की व्यवस्था होगी। वर्तमान में डिजिटलाइजेशन और कम्युनिकेशन से जुड़ी सेवाओं का लाभ वहां के लोगों को ज्यादा मिलेगा, जहां फाइबर का नेटवर्क है। जीरो बजट या प्राकृतिक खेती की बात भी बजट में हुई है। यह वहां के किसानों के लिए अच्छी बात है, जिन्होंने अपने खेतों में बहुत अधिक खाद व पानी डाला है और उस कारण उनके खेत की हालत बहुत खराब हो चुकी है। उदाहरण के लिए पंजाब के किसानों के लिए यह अच्छा है। बिहार या इस जैसे बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों की बात करें तो वहां खेतों में बहुत ज्यादा खाद नहीं डाली जाती है। वहां प्राकृतिक खेती ही होती है क्योंकि यदि खेतों में खाद डाली जायेगी तो सब बाढ़ में बह जायेगी। हो सकता है कि दूसरे मौसम में यहां के किसान भी खाद का प्रयोग करते हों, लेकिन यहां बहुत हद तक प्राकृतिक खेती होती है। प्राकृतिक खेती को लेकर माना जाता है कि इससे ज्यादा आमदनी होगी, ऐसा नहीं लगता है। जहां तक फसल के आकलन के लिए ड्रोन के इस्तेमाल की बात है तो उससे बीमा वालों को लाभ मिलेगा जिन्होंने बीमा कराया है वे इसका इस्तेमाल कर सकते हैं लेकिन, कीटनाशक के छिड़काव के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बड़े किसान व बड़ी जोतवालों के लिए ही फायदेमंद साबित होगा। पूर्वांचल के किसान हैं, उनके पास छोटी-छोटी जमीनें हैं, वहां पर ड्रोन का उतना लाभ नहीं होगा। भूमि रिकॉर्ड के लिए ड्रोन के इस्तेमाल की आज बहुत आवश्यकता है। इसमें भी राज्य सरकार की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होती है। कुछ राज्य तो इस मामले में बहुत अच्छा काम कर रहे हैं और किया है। ग्रामीण विकास की बात करें, तो प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घरों का निर्माण हुआ है और हो रहा है। सरकार एक अच्छा ध्येय लेकर चल रही है। इस बजट में भी 80 लाख घरों के निर्माण की बात कही गयी है। प्रधानमंत्री आवास योजना का मनरेगा के साथ कन्वर्जेंस होता है। मनरेगा के मजदूर 95 दिन तक पीएम आवास योजना में काम कर सकते हैं। यह एक कल्याणकारी योजना है और बहुत से लोग लाभान्वित भी हुए हैं। अंतिम बात, कृषि और ग्रामीण व्यवस्था के लिहाज से यह बजट अद्भुत नहीं कहा जा सकता है क्योंकि कृषि और ग्रामीण क्षेत्र के लिए इस बजट में बहुत कम पहल की गयी है।

स्वस्थ लोकतंत्र का अहम हिस्सा है मीडिया

संजय द्विवेदी

भारत में लोकतंत्र एक संस्कार, जीवन मूल्य और जीवन पद्धति है। भारत का लोकतंत्र सदियों के अनुभव से विकसित हुई व्यवस्था है। आज भारत के लोकतंत्र में समाहित शक्ति ही देश के विकास को नई ऊर्जा और देशवासियों को नया विश्वास दे रही है। दुनिया के अनेक देशों में जहां लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को लेकर अलग स्थिति बन रही है, वहीं भारत में लोकतंत्र नित्य नूतन हो रहा है। लोकतंत्र को पूरे विश्व में स्थापित करने में मीडिया ने एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के विकास का लक्ष्य लेकर देश में पत्रकारिता की शुरुआत हुई थी। अपनी लंबी यात्रा में मीडिया ने इस बात को साबित किया है कि वह सही मायनों में लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है।

स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही सामाजिक चेतना जागृत करने में मीडिया की बड़ी भूमिका रही है। दुनिया का कोई भी देश हो, मीडिया बदलाव और चेतना का वाहक रहा है। किसी भी विषय पर लोगों को जागरूक करने और जनमत तैयार करने में मीडिया की भूमिका होती है। मीडिया सरकार और जनता के बीच संवाद सेतु का काम करता है। जनता की समस्याओं और उसकी बातों को शासन तक पहुंचाने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है। यही कारण है कि आज भी लोग मीडिया की ओर उम्मीद से देखते हैं। मीडिया स्वस्थ लोकतंत्र का न केवल एक अंग है बल्कि एक अपरिहार्य शर्त भी है। हमारे संविधान में प्रेस की आजादी को खुले तौर पर मूल अधिकार नहीं माना गया है लेकिन संविधान सभा की बहस से ज्ञात होता है कि मीडिया की स्वतंत्रता को अभिव्यक्ति की मौलिक स्वतंत्रता का ही विस्तार मानने पर सव 'सहमति थी। उच्चतम न्यायालय के अनेक निर्णयों ने इस मान्यता को वैधानिकता भी प्रदान की है।

आपातकाल के कड़वे अनुभव के बाद हमारी संसद में मीडिया की स्वतंत्रता के प्रति सर्वसम्मति रही है। मीडिया की विश्वसनीयता जनता के सरोकारों और जन विश्वास पर टिके होते हैं इसलिए आवश्यक है कि मीडिया जनसरोकारों के प्रति सत्यनिष्ठ रहे। लोकतंत्र में संसद और मीडिया एक दूसरे के सहयोगी हैं। दोनों ही संस्थान जनभावनाओं को अभिव्यक्ति देते हैं। आज जब हम बढ़ती और बदलती जनअपेक्षाओं के युग में रह रहे हैं, तब आवश्यक है कि हम भी अपने स्थापित पूर्वाग्रहों को त्यागें और जन अपेक्षाओं को स्वर दें। मीडिया को विकासवादी सकारात्मक राजनीति का वाहक बनना होगा। मीडिया सरकारों और राजनैतिक दलों की जवाबदेही अवश्य तय करे परंतु उसके केंद्र में जनसरोकार हों न कि सत्ता संस्थान। मीडिया को दलीय राजनीति से ऊपर उठकर जनकेन्द्रित मुद्दे उठाने चाहिए। स्थानीय समाचार पत्र न केवल स्थानीय अपेक्षाओं को प्रतिबिंबित करते हैं बल्कि भारतीय भाषाओं में प्रकाशित होने के कारण जनाकांक्षाओं के अधिक निकट भी हैं। झारखंड में पहाड़ की तलहटी में बसे दो गांवों- आरा और केरम के निवासियों द्वारा किए जल संरक्षण के प्रयासों को देश के अन्य भागों तक मीडिया ने ही पहुंचाया है।

पूरी दुनिया में मानवाधिकारों से जुड़े जितने भी मुद्दे हैं, उन सभी को प्रमुखता से आगे बढ़ाने का कार्य मीडिया ने सकारात्मक ढंग से किया है। मीडिया के चलते जो बातें कल तक छुपी रह जाती थीं, वो सारी बातें आज पूरी दुनिया के सामने हैं। मीडिया ने यह साबित करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है कि एक प्रजातांत्रिक देश में पद और सत्ता के आधार पर इंसान-इंसान में भेद नहीं किया जा सकता। सभी मनुष्य समान हैं। मीडिया ने वर्तमान संदर्भ में एक नई संस्कृति को विकसित करने की कोशिश की है, जिसे हम सशक्तिकरण की संस्कृति भी कह सकते हैं। लोकतंत्र की सफलता और विफलता पत्रकारिता पर निर्भर करती है। जब कोरोना संक्रमण अपना कहर बरपा रहा था और डॉक्टर्स व पैरामेडिकल स्टाफ योद्धाओं की भांति मैदान में डटे हुए थे, तो पत्रकार अपनी कलम और अपनी आवाज के जरिए लोगों को जागरुक करने का, उन तक जानकारी पहुंचने का काम कर रहे थे। डिजिटल मीडिया खासकर सोशल मीडिया ने देश और दुनिया में एक बड़ी जनसंचार क्रांति को जन्म दिया है। इसने जन-सामान्य को बड़ी सरलता से आपस में जोड़ा है। इस विश्वव्यापी जुड़ाव का ही असर है कि आज कोरोना के खिलाफ लड़ाई का एक बड़ा हिस्सा इसी के जरिये लड़ा जा रहा है।

आज दुनिया के तमाम देश प्रगति और विकास की ओर तेजी से बढ़ते भारत को एक नई उम्मीद से देख रहे हैं। भारत की आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक यात्रा की एक नई शुरुआत हुई है। आज भारत की पहचान बदल रही है और वह एक समर्थ परंपरा का सांस्कृतिक उत्तराधिकारी ही नहीं बल्कि तेजी से विकास करता हुआ राष्ट्र है इसलिए वह उम्मीदें भी जगा रहा है। हम सबने ये देखा है, कि बीते कुछ वर्षों में जन-भागीदारी भारत का नेशनल कैरेक्टर बनता जा रहा है। आजादी के अमृत महोत्सव का जश्न मनाते हुए हमारा यह संकल्प होना चाहिए कि भारत विश्व में एक लोकतांत्रिक ताकत के रूप में उभरे। इसके लिए कई क्षेत्रों में हमें वैश्विक ऊंचाई को प्राप्त करना है। दुनिया में भारत की आवाज बुलंद करने के लिए हमारा मीडिया भी वैश्विक पहुंच बनाए, पहचान बनाए, ये समय की मांग है।

जरूरत से ज्यादा न खाएं चावल

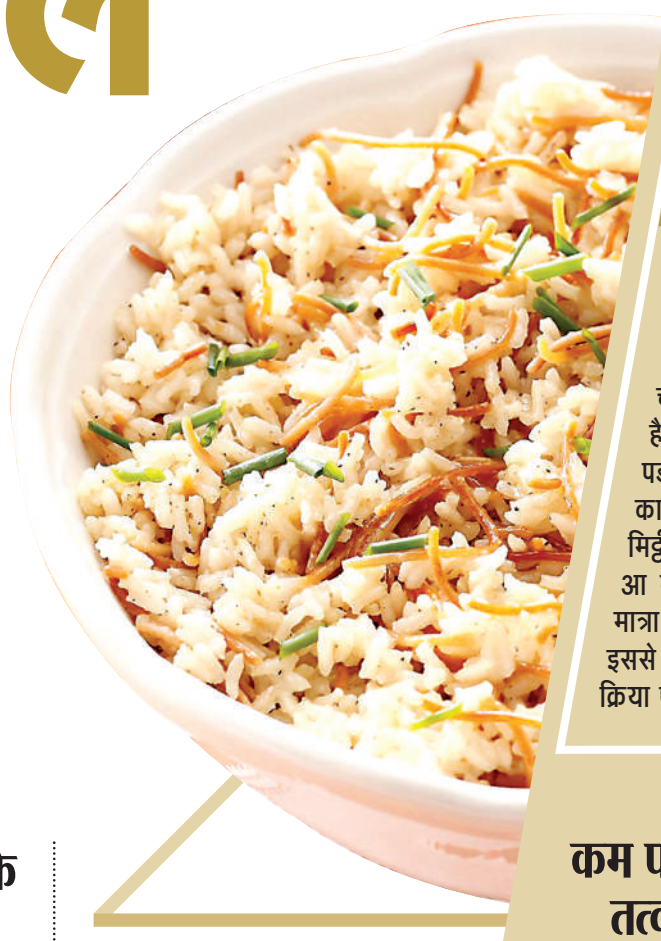

हर घर की रसोई में चावल अवश्य बनते हैं। कभी आप पुलाव बनाकर इसका आनंद लेते हैं तो कभी कढ़ी, राजमा या दाल के साथ इसे खाते हैं। कुछ घरों में तो चावल के बिना भोजन अधूरा ही माना जाता है। अगर आप भी चावल खाने के शौकीन हैं तो जरा संभल जाइए। जरूरत से ज्यादा चावल का सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए हानिकर साबित हो सकता है। तो चलिए जानते हैं अत्यधिक मात्रा में चावल खाने से होने वाले नुकसानों के बारे में...

मधुमेह के रोगियों के लिए हानिकारक

चावल का अत्यधिक सेवन मधुमेह रोगियों के लिए सही नहीं माना जाता। दरअसल, चावल आपके रक्त में शर्करा की मात्रा को बढ़ा देते हैंए जिसके कारण आपकी परेशानी काफी बढ़ सकती है। जब आपके शरीर में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है तो आपका मधुमेह का स्तर भी उच्च हो जाता है। वैसे तो मधुमेह रोगियों को चावल से दूरी बनाकर रखनी चाहिए। अगर आप चावल खाना चाहते हैं तो भोजन में ब्राउन राइस ही शामिल करें।

मोटापे को निमंत्रण

चावल में कार्बोहाइडेट पाए जाते हैं जो खाने में काफी सुपाच्य होते हैं। इसके साथ ही इसमें मौजूद फैट आपको मोटा बनाने का काम करता है। लेकिन चावल खाने से आपका पेट जितना जल्दी भरता है, उतनी ही जल्दी आपको भूख भी लगती है। इस प्रकार आप आवश्यकता से अधिक कैलोरी का सेवन कर लेते हैं। इसका लगातार सेवन मोटापे को निमंत्रण देता है।

कम पोषक तत्व

सफेद चावलों में न्यूट्रियंस की मात्रा काफी कम होती है। इस प्रकार जिन लोगों के भोजन का मुख्य आधार चावल हैए उन्हें पर्याप्त मात्रा में विटामिन, मिनरल्स व न्यूट्रियंस नहीं मिल पाते। साथ ही शरीर में पोषक तत्वों की कमी आपके लिए काफी नुकसानदायक साबित होती है।

अस्थमा रोगी रहें दूर

सफेद चावल अस्थमा के रोगियों के लिए भी काफी नुकसानदायक माना गया है। दरअसल, चावल की तासीर ठंडी होती है और जब आप इसका सेवन करते हैं तो आपके शरीर में सांस की समस्या को बढ़ा सकती है। इसलिए जितना हो सके, अस्थमा रोगी चावल से दूरी ही बनाकर रखें।

सीसा और केडियम

सीसा और केडियम भी चावल में पाए जाते हैं। मिल के चावलों में यह काफी अधिक मात्रा में मिलते हैं। जब ऐसे चावलों को अधिक मात्रा में खाया जाता हैए तो शरीर पर इसके बहुत बुरे प्रभाव पड़ते हैं। कुछ कीटनाशकों में केडियम काफी अधिक मात्रा में पाया जाता है जो मिट्टी में मिलकर बाद में चावलों में भी आ जाता है। अगर सीसे की अधिक मात्रा हमारे शरीर में पहुंच जाये तो इससे दिमाग के साथ-साथ पाचन क्रिया पर भी असर होता है।

आलस्य बढ़ाता है

चावल खाने के नुकसान में एक नुकसान यह है कि इससे हमारे जीवन में आलस्य आता है। जब भी हम चावल का सेवन करते हैं तो शरीर में आलस्य का आना एक आम बात है। जो लोग खाना खाने के बाद काम करते हैं उनके लिए चावल का सेवन सही नहीं होता। चावल खाने के बाद शरीर में शुगर की मात्रा बहुत ही तेजी के साथ बढ़ती है। जिससे नींद आनी शुरू हो जाती है और शरीर में आलसपन होने लगता है। इसलिए जो लोग खाना खाने के बाद काम करते हैं, उन्हें चावल से दूरी बना कर रखनी चाहिए।

कमजोर करे पाचन शक्ति

अत्यधिक चावल का सेवन आपके पाचन तंत्र पर भी विपरीत प्रभाव डालता है। दरअसल, सफेद चावल में फाइबर्स की मात्रा न के बराबर होती है और यदि लगातार इनका सेवन किया जाए तो इससे यह आपकी पाचन शक्ति को कमजोर करने लगता है। साथ ही इससे आपको पेट की समस्या जैसे गैस आदि की परेशानी का सामना भी करना पड़ सकता है।

हड्डियां होती हैं कमजोर

आपको शायद जानकर हैरानी हो कि सफेद चावल आपकी हड्डियों के लिए भी लाभदायक साबित नहीं होते। दरअसल, सफेद चावलों में विटामिन सी काफी कम मात्रा में पाया जाता है और इसका अत्यधिक सेवन आपकी हड्डियों को कमजोर करने का काम करता है।

हंसना मना है

पति: सुतली बम है क्या। पत्नी: दिवाली खत्म हो गयी अब सुतली बम क्यों चाहिये। पति: तुम्हारे मायके से आया तिल का लड्डू फोड़ना है!

टीचर: एक तरफ पैसा, दूसरी तरफ अकल, क्या चुनोगे। विद्यार्थी: पैसा। टीचर: गलत, मैं अकल चुनती। विद्यार्थी: आप सही कह रही हो मैडम, जिसके पास जिस चीज की कमी होती है वो वही चुनता है।

बीवी से परेशान पति एक दिन पंडितजी के पास पहुंचा। पति: पंडितजी, एक बात बताइये ये जनम-जनम का साथ वाली बात सच है क्या। पंडितजी: सौ फीसदी सच! पति: मतलब मुझे अगले जनम में भी यही पत्नी मिलेगी। पंडितजी: बिलकुल! पति: हे भगवान ! फिर तो खुदकुशी करने से भी कोई फायदा नहीं!

डॉक्टर ने मरीज की जांच करने के बाद कहा : आपको कोई पुरानी बीमारी है, जो आपके शरीर को धीरे-धीरे खा रही है। मरीज: डॉक्टर साहब ! थोड़ा धीरे बोलियें वो बाहर ही बैठी है।

पत्नी: मैं आपके लिए दुनिया की कोई भी जगह में जा सकती हूं। पति: तो फिर एक वादा और करो कि कभी वापिस नहीं आओगी।

कहानी | सियार की रणनीति

एक जंगल में महाचतुरक नामक सियार रहता था। एक दिन जंगल में उसने एक मरा हुआ हाथी देखा। उसकी बांछे खिल गईं। उसने हाथी के मृत शरीर पर दांत गड़ाया पर चमड़ी मोटी होने की वजह से वह हाथी को चीरने में नाकाम रहा। वह कुछ उपाय सोच ही रहा था कि उसे सिंह आता हुआ दिखाई दिया। आगे बढ़कर उसने सिंह का स्वागत किया और हाथ जोड़कर कहा स्वामी आपके लिए ही मैंने इस हाथी को मारकर रखा है। आप इस हाथी का मांस खाकर मुझ पर उपकार कीजिए। सिंह ने कहा, मैं तो किसी के हाथों मारे गए जीव को खाता नहीं हूं, इसे तुम ही खाओ। सियार मन ही मन खुश तो हुआ पर उसकी हाथी की चमड़ी को चीरने की समस्या अब भी हल न हुई थी। थोड़ी देर में उस तरफ एक बाघ आ निकला। बाघ ने मरे हाथी को देखकर अपने होंठ पर जीभ फिराई। सियार ने उसकी मंशा भांपते हुए कहा, मामा आप इस मृत्यु के मुंह में कैसे आ गए? सिंह ने इसे मारा है और मुझे इसकी रखवाली करने को कह गया है। एक बार किसी बाघ ने उनके शिकार को जूठा कर दिया था तब से आज तक वे बाघ जाति से नफरत करने लगे हैं। आज तो हाथी को खाने वाले बाघ को वह जरुर मार गिराएंगे। यह सुनते ही बाघ वहां से भाग खड़ा हुआ। पर तभी एक चीता आता हुआ दिखाई दिया। सियार ने सोचा चीते के दांत तेज होते हैं। कुछ ऐसा करूं कि यह हाथी की चमड़ी भी फाड़ दे और मांस भी न खाए। उसने चीते से कहा, प्रिय भांजे, इधर कैसे निकले? कुछ भूखे भी दिखाई पड़ रहे हो। सिंह ने इसकी रखवाली मुझे सौंपी है पर तुम इसमें से कुछ मांस खा सकते हो। मैं जैसे ही सिंह को आता हुआ देखूंगा, तुम्हें सूचना दे दूंगा, तुम सरपट भाग जाना। पहले तो चीते ने डर से मांस खाने से मना कर दिया पर सियार के विश्वास दिलाने पर राजी हो गया। चीते ने पलभर में हाथी की चमड़ी फाड़ दी। जैसे ही उसने मांस खाना शुरू किया कि दूसरी तरफ देखते हुए सियार ने घबराकर कहा, भागो सिंह आ रहा है। इतना सुनना था कि चीता सरपट भाग खड़ा हुआ। सियार बहुत खुश हुआ। उसने कई दिनों तक उस विशाल जानवर का मांस खाया। सिर्फ अपनी सूझ-बूझ से छोटे से सियार ने अपनी समस्या का हल निकाल लिया।

सीख:- बुद्धि के प्रयोग से कठिन से कठिन काम भी संभव हो जाता है।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष ऑफिस या फील्ड में किसी की बुराई करने से बचें। इससे आपको ही नुकसान हो सकता है।

वृषभ आज पैसों की स्थिति मजबूत रहेगी। निवेश और खरीदारी के अवसर आपको मिल सकते हैं। संबंधों में भी सुधार होता रहेगा।

मिथुन लोगों से बातचीत में आपको कुछ नई बातें पता चल सकती हैं। विरोधियों की कमजोरी का फायदा उठा सकते हैं।

कर्क अपने मन की बातें आप बहुत अच्छे से जाहिर कर सकते हैं। आपके लिए दिन भी ठीक है।

सिंह आलस्य से बचें। थकान से परेशान हो सकते हैं। पुराने रोगों से थोड़ी तकलीफ बढ़ सकती है।

कन्या खास काम या चुनौती नहीं होगी। कार्यक्षेत्र में नई योजना बन सकती है और पूरी भी होगी।

तुला पिता, बड़े भाई या किसी अधिकारी से बहस न करें। पढ़ाई में रुकावटें आ सकती हैं। फालतू बातों से दूर रहें।

वृश्चिक कार्यक्षेत्र और बिजनेस संबंधित यात्राएं होने के योग बन रहे हैं। आपकी इनकम भी बढ़ सकती है।

धनु कोई ऐसा काम भी कर सकते हैंए जिससे आपका नाम हो सकता है। पुराने मतभेद आज सुलझ सकते हैं।

मकर कुछ मामलों में किस्मत का साथ कम ही मिल पाएगा। दिन भर सब अच्छा होने के बाद भी आप तनाव में रहेंगे।

कुम्भ खर्चों पर नियंत्रण रखें। कामकाज पर ध्यान कम ही जाएगा। पैसों की स्थिति थोड़ी कमजोर हो सकती है।

मीन मनोरंजन में भी समय निकल सकता है। आपका आकर्षण भी ज्यादा रहेगा। जरूरी काम भी पूरे हो सकते हैं।

छोटा पर्दा | मन की बात

हिना खान ने फिर दिखाया सिजलिंग अवतार

छोटे पर्दे की मशहूर एक्ट्रेस हिना खान हमेशा ही किसी न किसी कारण फैंस के बीच छाई रहती हैं। फैंस के साथ-साथ तमाम यूजर्स उन्हें पर्दे पर देखने के लिए बेकरार रहते हैं। उन्होंने अपनी जबरदस्त अदाकारी से तो दर्शकों का दिल जीता ही है। साथ ही लोग उनके स्टाइलिश अंदाज के भी दीवाने रहते हैं। टीवी सीरियल ये रिश्ता क्या कहलाता ह से अपने करियर की शुरुआत करने वाली हिना आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं रह गई हैं। अब एक्ट्रेस एक बार फिर से फैंस के लिए चर्चा का हिस्सा बन गई हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह पर्पल कलर की पहने नजर आ रही हैं। इन फोटोज में हिना का सिजलिंग अवतार देखने को मिल रहा है। वह बालकनी में खड़े होकर दिलकश अदाएं दिखा रही हैं। अपने नए लुक में हिना पर्पल कलर के आउटफिट में दिख रही हैं। एक्ट्रेस ने एक साथ अपनी बहुत सारी तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह एक से बढ़कर एक कातिलाना पोज देती नजर आ रही हैं।

शॉर्ट ड्रेस पहन फिर बोल्ड हुई अनन्या

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड के मशहूर अभिनेता चंकी पांडे की बेटी और एक्ट्रेस अनन्या पांडे अक्सर किसी न किसी वजह से चर्चा में बनी रहती हैं। उन्होंने काफी कम वक्त में इंडस्ट्री में अपने लिए खास और अलग पहचान हासिल कर ली है। ऐसे में उन्हें एक के बाद एक फिल्मों के ऑफर्स मिल रहे हैं। इसके अलावा अनन्या अपने लुक्स के कारण भी काफी चर्चा में बनी रहती हैं। अब एक बार फिर से अनन्या अपने नए लुक के कारण चर्चा में आ गई हैं। उन्होंने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की झलक फैंस को दिखाई हैं। हाल ही में अनन्या ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह शॉर्ट ड्रेस में काफी गॉर्जियस नजर आ रही हैं। अनन्या ने अपने नए अवतार से फिर लोगों के होश उड़ा दिए हैं। इन फोटोज में अनन्या काफी हॉट लग रही हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि चंकी पांडे की लाडली ने पिंक और ऑरेंज कलर की शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है। एक्ट्रेस ने अपने इस लुक को ऑरेंट जैकेट के साथ पेयर किया है। मैचिंग हाई हील्स ने तो उनके लुक्स पर चार चांद लगा दिए हैं। अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए अनन्या ने लाइट मेकअप किया हुआ है।

लोगों के लिए उनकी इन अदाओं से नजरें हटाना मुश्किल हो गया है। उनकी ये कातिल अदाएं लोगों के होश उड़ाने के लिए काफी हैं।

वैलेंटाइन डे पर दोबारा शूटिंग शुरू करेंगे सलमान-कटरीना

टाइगर-3

कोरोना के दौर में फिल्मों पर बड़ा असर देखने को मिला है। जहां दूसरी लहर में लंबे समय तक फिल्मों की शूटिंग नहीं हो पाई थी, वहीं ओमिक्रॉन के आने के बाद तमाम प्रतिबंधों की वजह से भी कई फिल्मों का शूट रुका हुआ था। लेकिन अब जब कोरोना के मामले कम हो रहे हैं तो दोबारा से फिल्मों की शूटिंग का सिलसिला शुरू हो रहा है।

ताजा खबर सलमान खान की फिल्म टाइगर 3 को लेकर सामने आ रही है। बताया जा रहा है सलमान खान इस फिल्म की शूटिंग दोबारा से शुरू करने जा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म के आखिरी बड़े शेड्यूल की शुरुआत होने जा रही है। इस हफ्ते शनिवार से मुम्बई में यश राज फिल्मस स्टूडियोज में सलमान और कटरीना फिल्म के आगे के हिस्से को फिल्माएंगे। वहीं इस शेड्यूल के पूरा होने के तुरंत बाद टाइगर 3 की दिल्ली में अहम सीन की शूटिंग होगी।

हमारे सूत्रों से जो जानकारी मिली है उसके अनुसार 14 फरवरी से टाइगर 3 का दिल्ली शेड्यूल तय है। यानी वैलेंटाइन डे पर सलमान और कटरीना इस फिल्म की शूटिंग करेंगे। इस दौरान सभी प्रोटोकॉल्स को फॉलो करने के लिए तैयारियां जोरो पर हैं। सूत्र ये भी बताते हैं कि कटरीना और सलमान 12 या 13 को दिल्ली पहुंच जाएंगे और करीब 10 से 12 दिन इस फिल्म की शूटिंग की जाएगी। इस शेड्यूल के साथ ही फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी। बता दें सलमान और कटरीना के फैंस लंबे समय से इस फिल्म का इंतजार कर रहे हैं।

अजब-गजब | ऑक्टोपस को लेकर वैज्ञानिकों ने किया चौंकाने वाला खुलासा

एलिएन जीव है ऑक्टोपस

समुद्र की गहराईयों में रहने वाले ऑक्टोपस को तो आपने देखा ही होगा। उसे देखकर आपके हमेशा ऐसा ही लगा होगा कि पृथ्वी पर रहने वाला एक समुद्र जीव है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने ऑक्टोपस को लेकर जो खुलासा किया है उसे जानकर आप हैरान रह जाएंगे। दरअसल, वैज्ञानिकों ने कहा कि ऑक्टोपस पृथ्वी नहीं बल्कि अंतरिक्ष से एलिएंस द्वारा भेजा गया एक जीव है। वैज्ञानिकों का कहना है कि 6 हाथों और 2 पैरों वाला ऑक्टोपस एलियन जीव है और इनका विकास दूसरे ग्रह पर हुआ है। बता दें कि दुनियाभर के वैज्ञानिक लंबे समय से इस बात का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या धरती पर धूमकेतु से जीवन आया है? इसके साथ ही वैज्ञानिकों ने एक और सिद्धांत में हैरान करने वाला खुलासा किया है। उनका दावा है कि जीवन का एक बड़ा भाग धरती पर अंतरिक्ष से आया है। ये शोध जर्नल प्रोग्रेस इन बायोफिजिक्स एंड मोलेक्यूलर बॉयोलॉजी में प्रकाशित किया गया है. ऑस्ट्रेलियाई विशेषज्ञ एडवर्ड जे स्टील का कहना है कि ऑक्टोपस और स्क्विड के अंडे अंतरिक्ष में पहुंच गए होंगे। इसके बाद वह धरती पर आए होंगे। उनका कहना है कि विस्फोट या उल्कापिंड की बरसात की वजह से ऐसा हुआ होगा जिसमें वह बहकर अंतरिक्ष में चले गए होंगे।

इस रिसर्च के मुताबिक, ऑक्टोपस का अस्तित्व दुनिया में पहले से मौजूद था। यह उनकी जैविक विशेषताओं से पता चलता है। इस शोध में संभावना जताई गई है कि मंगल ग्रह पर जीवन ने जन्म लिया होगा, लेकिन यह किसी आपदा की वजह से खत्म हो गया होगा और मंगल ग्रह बंजर बन गया होगा। वैज्ञानिकों का कहना है कि दुनिया में कई बेहद विकसित और तेज दिमाग वाले जीव हैं जिनमें ऑक्टोपस भी शामिल है. बता दें कि शरीर की तुलना में ऑक्टोपस का दिमाग बड़ा होता है जो इनके व्यवहार पर गहरा असर डालता है। इनके अंदर इतनी क्षमता होती है कि यह किसी मुश्किल को आसानी से सुलझा सकते हैं। एक शोधकर्ता ने इनके बेहद खास व्यवहार के बारे में जानकारी हासिल की है. इसके साथ ही एक रिसर्च में किए गए दावे के मुताबिक, प्रजनन की कोशिश करने वाले नर को मादा चीजें फेंककर मारती हैं। हर जीव में प्रजजन के लिए आमतौर पर मादा को लुभाने के लिए नर खास तरीकों को अपनाते हैं। इनके मुताबिक, इंप्रेस होने के बाद ही मादा प्रजनन के लिए तैयार होती हैं। अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं के रिसर्च के मुताबिक, मादा प्रजजन की कोशिश करने वाले नर को चीजें फेंककर मारती हैं।

महिलाओं के हाथों की अंगुलियां काटने का यहां है रिवाज

देश की अपनी-अपनी संस्कृति और रीति-रिवाज हैं, जिन्हें उस देश के लोग सदियों से निभाते आ रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया के पास बसा पापुआ न्यू गिनी नाम का एक देश भी कुछ ऐसी ही अजीब तरह की परम्पराओं को सदियों से निभाता आ रहा है। यहां की दानी नाम की जनजाति दुनिया के सबसे अलग रीति-रिवाजों को निभाती आ रही है। ये जनजाति बेहद निर्दयी और दर्दनीय रीति-रिवाजों को अपनाता है वो भी महिलाओं के साथ। यहां के लोगों की परंपरा के अनुसार घर के मुखिया की मौत की सजा महिलाओं को जिंदगी भर भुगतनी पड़ती हैं। परिवार के मुखिया की मौत के बाद यहां महिलाओं की अंगुलियों को काट दिया जाता है। पापुआ न्यू गिनी द्वीप पर रहने वाली दानी जनजाति के लोग दुनिया की सबसे दर्दनाक और क्रूर परंपरा निभाने के लिए मशहूर हैं। इस परंपरा के अनुसार दानी जनजाति में परिवार के मुखिया की मौत का शोक जताने के लिए परिवार की महिलाओ के दोनों हाथों की कुछ अंगुलियां काट दी जाती थीं। यहां के लोगों के अनुसार ये दर्दनाक होता है, लेकिन इससे मरने वाले की आत्मा को शांति मिलती है, लेकिन इस दौरान महिलाओं के साथ जो होता था वो किसी के भी रूह को कंपा देने वाला होता है।

दो महिला आईएएस भी उत्पीड़न का शिकार, शुभ्रा ने पूर्व पति तो कल्पना ने पति पर दर्ज कराया केस

» लगाए गंभीर आरोप, विशेष सचिव शुभ्रा सक्सेना ने अपनी और बेटी की जान को बताया खतरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में महिला आईएएस अधिकारी भी उत्पीड़न से बच नहीं पा रही हैं। विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा शुभ्रा सक्सेना ने सुशांत गोल्फ सिटी थाने में पूर्व पति शशांक गुप्ता, उनके अधिवक्ता और कुछ अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। आईएएस शुभ्रा सक्सेना का 2017 में शशांक से तलाक हो चुका है। शुभ्रा ने स्वयं और आठ साल की बेटी को पूर्व पति से जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा की मांग की है। वहीं प्रमुख सचिव कल्पना अवस्थी ने अपने रिटायर पति पर गोमती नगर थाने में उत्पीड़न, जान से मारने की कोशिश और पैसों का गबन करने की एफआईआर दर्ज करायी है।

कई जिलों में डीएम रह चुकीं आईएएस अधिकारी शुभ्रा सक्सेना इन दिनों विशेष सचिव चिकित्सा शिक्षा पद पर तैनात हैं। वह सुशांत गोल्फ सिटी थाना क्षेत्र के सेलिब्रिटी ग्रीन्स अपार्टमेंट में रहती हैं। शुभ्रा ने सुशांत गोल्फ थाने में तहरीर देकर बताया कि पूर्व में आईटी सेक्टर में नौकरी करने वाले शशांक गुप्ता से 20 जून 2003 को उनका विवाह हुआ था। शादी के कुछ दिन बाद से ही शशांक मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। 2013 में बेटी का जन्म हुआ। पारिवारिक विवाद के कारण जुलाई 2017 में तलाक हो गया। शशांक विभूतिखंड प्रेशीडेंशियल टावर में रहते हैं। बेटी की कस्टडी को लेकर न्यायालय में मामला विचारधीन है। आरोप है कि बीते साल 17 नवंबर को शशांक और उनके लोग उनका और बेटी का पीछा किया और धमकी भी दी थी। मानसिक रूप से परेशान करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया है कि उनके मामले की सुनवाई उच्च न्यायालय में हो रही है। बीते 17 नवंबर को शशांक, उनके अधिवक्ता संजय भसीन के चेंबर में पहुंचे और धमकी दी। धमकी की गतिविधियां सीसी फुटेज में भी हैं। कोर्ट के निर्देश पर शशांक 15 जनवरी को एग्रीमेंट के मुताबिक शशांक बेटी को लेने असलहों से लैस लोगों के साथ आया जिससे मोहल्ले में दहशत हो गई। बेटी जब अगले दिन शशांक के पास से वापस लौटी तो वह काफी डरी थी। 17 से 24 जनवरी तक शशांक फोन कर लगातार अभद्रता करते और धमकी देते रहे। बेटी को भी फोन करके धमकी दी। फिर फूल भेजकर माफी मांगी और रसगुल्ले भेजे। शुभ्रा ने आरोप लगाया कि 29 जनवरी को शशांक फिर उनकी सोसाइटी में आए वहां गाली-गलौज की। आईएएस ने आरोप लगाया है कि शशांक से उन्हें खतरा है। वह कभी भी कोई अप्रिय घटना कर सकता है इसलिए सुरक्षा दी जाए। सुशांत गोल्फ सिटी इंस्पेक्टर देवेंद्र विक्रम सिंह ने बताया कि आईएएस शुभ्रा सक्सेना की तहरीर पर शशांक गुप्ता निवासी रोहतास प्रेसिडेंशियल, थाना विभूतिखंड, अधिवक्ता समीर अग्रवाल व पांच अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गयी है। बेटी की कस्टडी को लेकर दोनों में विवाद चल रहा है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी। वहीं आईएएस कल्पना अवस्थी इस समय प्रमुख सचिव हैं जबकि उनके पति बाला प्रसाद अवस्थी रिटायर हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि उनकी शादी 5 मई 1990 में हुई थी। हनीमून के दौरान ही उनके शारीरिक तौर पर स्वस्थ न होने की जानकारी हो गई थी। इसके बाद से पति ने प्रताड़ित करना शुरू कर दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि वे (पति) दूसरी महिलाओं से संबंध बनाने की धमकी देते थे। साथ ही मानसिक एवं शारीरिक तौर पर प्रताड़ित करने लगे। इसके साथ ही आर्थिक शोषण भी किया। हर प्रॉपर्टी और बैंक खाते में खुद को नॉमिनी बना लिया। सैलरी भी नहीं निकालने देते थे। उनकी पति से ज्यादा सैलरी होने के बाद भी 2004 तक अपने वेतन में से मात्र छह हजार रुपए ही घर खर्च के लिए पति से मिलते थे। उन्होंने कहा कि उनके पति ने उनका जीना हराम कर दिया है। पति ने खुद को कोरोना होने की बात छुपाई। इस कारण वह और उनकी मां भी संक्रमित हो गई। इस दौरान उनके एकाउंट से 19.50 लाख रुपए निकाल लिए। हालांकि, पारिवारिक हस्तक्षेप होने पर लौटा दिए। इसी दौरान मारने की नियत से बिना डॉक्टर के प्रिस्क्रिप्शन की दवाइयां दी। सिर्फ यही नहीं, ब्लैक फंगस की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर भी नहीं बताया। उनका मकसद था कि समय से इलाज न मिले और मौत हो जाए।

एसीपी गोमतीनगर श्वेता श्रीवास्तव ने बताया कि महिला आईएएस की तहरीर पर रिटायर्ड आईएसएस पति बाला प्रसाद अवस्थी के खिलाफ घरेलू हिंसा, धोखाधड़ी और आई एक्ट समेत कई धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच और साक्ष्य के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व पति करता है पीछा

शुभ्रा सक्सेना का आरोप है कि 17 नवंबर 2017 के बाद से शशांक का रवैया काफी खराब हो गया। वह लगातार पीछा करते हैं और कहते हैं कि हर गतिविधि पर नजर है। 29 जनवरी 2022 को शशांक कई लोगों के साथ उनके फ्लैट पहुंचे। वह और बेटी नहीं मिली तो गार्ड को धमकाकर चले गए। पूर्व पति को पता चला कि वह 30 जनवरी 2022 को फ्लाइट से बेटी संग दिल्ली से लौट रही हैं तो वह कई लोगों व बाउंसरों के साथ एयरपोर्ट पहुंच गए। एयरपोर्ट परिसर में शशांक ने हंगामा किया। सीआईएसएफ जवानों ने उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया।

» प्रमुख सचिव कल्पना ने जान से मारने की कोशिश, पैसों का गबन और घरेलू हिंसा का लगाया आरोप

» सुशांत गोल्फ सिटी और गोमती नगर थाने में दर्ज करायी गई एफआईआर

किन्नर बने युवक की हत्या से सनसनी

» मड़ियांव के पल्टन छावनी में हुई वारदात कमरे में मिला शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी के मड़ियांव के पल्टन छावनी में किन्नरों के ढोलकिया साथी 25 वर्षीय आयुष्मान सिंह उर्फ जोया उर्फ शुभम की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। कमरे में उसका खून से लथपथ शव मिला। हत्यारे ने चाकू से उसके सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ हमले किए थे। हत्यारे ने आत्महत्या का रूप देने के लिए के लिए हाथ की नस भी काट दी। आयुष्मान पहले सामान्य युवक था। दो साल पहले सर्जरी कराकर वह किन्नर बना था। परिवारीजन के आरोप पर पुलिस ने आयुष्मान के साथी पर हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश में दबिश दे रही है।

राजाजीपुरम में रहने वाले संजीव कुमार सिंह का बेटा आयुष्मान कई सालों से किन्नरों के साथ ढोलक बजाने का काम करता था। वह पल्टन छावनी में किराए के मकान में साथी फैजान के साथ रहता था। कमरे से भीषण दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। इंस्पेक्टर मड़ियांव वीर सिंह पहुंचे। दरवाजा तोड़ा गया तो कमरे में खून से लथपथ शव पड़ा मिला। फोरेंसिक टीम से घटनास्थल का निरीक्षण कराया और परिवारजन को सूचना दी। घटना के बाद से फैजान फरार है। आयुष्मान के पिता संजीव कुमार ने फैजान पर हत्या का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि हत्या दो से तीन दिन पूर्व की गई है।

बिक्रम ने स्वीकारी सिद्धू की चुनौती अमृतसर पूर्व सीट से ठोकेंगे ताल

» मजीठा से अपनी पत्नी को चुनाव मैदान में उतारा बिक्रम ने

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब विधान सभा चुनावों में अमृतसर पूर्व सीट हाई प्रोफाइल सीट बनकर उभर रही है। शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया भी इसी सीट से ताल ठोंकने जा रहे हैं। मजीठिया ने पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू की चुनौती स्वीकार करते हुए अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

सिद्धू ने शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया को सिर्फ अमृतसर पूर्व सीट से चुनाव लड़ने और

मजीठा विधानसभा क्षेत्र छोड़ने की चुनौती दी थी जिसे शिअद नेता ने स्वीकार कर लिया है। मजीठिया ने अपनी उम्मीदवारी का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि अब मजीठिया की पारंपरिक सीट मजीठा ने उनकी पत्नी गनीव कौर मैदान में उतरेंगी। इससे पहले शिअद ने मजीठिया को अमृतसर पूर्व और मजीठा दो सीटों से चुनाव लड़ाने का फैसला किया था। इस सीट पर कांग्रेस की गहरी पकड़ मानी जाती है।

लखनऊ में बूंदाबांदी शीतलहर ने बढ़ाई गलन

» कल भी हल्की बारिश की संभावना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में आज सुबह बूंदाबांदी हुई। इससे मौसम में शीतलहर और गलन का प्रकोप फिर से बढ़ गया है। मौसम विभाग ने पहले ही दो दिन लखनऊ में बूंदाबांदी और हल्की बारिश होने की संभावना व्यक्त की थी। अब सुबह से कई इलाकों में बूंदाबांदी हो रही है और बादल छाये हुए हैं।

बुधवार को दिन में खिली धूप के बाद भी लोगों को ठंड से राहत नहीं मिली। सुबह जहां घना कोहरा था। वहीं, शाम को भी गलन ने सिहरन और बढ़ाई। बुधवार को अधिकतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, जो सामान्य ने तीन डिग्री

कम है जबकि न्यूनतम तापमान 10.4 डिग्री सेल्सियस रहा। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को भी बादल छाए रहेंगे। साथ ही बूदाबांदी के भी आसार हैं। अधिकतम तापमान और न्यूनतम तापमान में गिरावट हो सकती है। करीब एक हफ्ते से धूप के बावजूद शीतलहर ने मौसम को ठंडा बना रखा है। पश्चिमी यूपी में भारी बारिश की संभावना मौसम विभाग ने जताई है। इसका असर कई जिलों में पड़ सकता है।

ब्राह्मणों के खिलाफ बयान भाजपा को पड़ेगा भारी

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में विधान सभा चुनाव की चौसर बिछ चुकी है और सभी पार्टियां वोटों का गणित साधने में जुट गई हैं। कहा जा रहा है कि ब्राह्मण बीजेपी से नाराज हैं और वह ब्राह्मणों को मनाने की कोशिश कर रही है, लेकिन भाजपा के मंत्री ही उसकी इस कोशिश पर पानी फेर रहे हैं और पंडितवाद मुर्दाबाद के नारे लगा रहे हैं। ये बातें निकलकर सामने आईं लेखक सीपी राय, वरिष्ठ पत्रकार दीपक शर्मा, अशोक वानखेड़े, अजय शुक्ला, प्रो. लक्ष्मण यादव, महेश मिश्रा, पुष्पेंद्र सिंह (किसान यूनियन), अभिषेक कुमार, प्रो. रविकान्त और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सीपी राय ने कहा राजनीति कहा जा रही है। खुशी दुबे उदाहरण है। यह बौखलाहट है। क्या हार मान लिया है बीजेपी ने। नेता सबको साधकर रखता है, मगर ऐसे नारों से सरकार की छवि खराब होती है। महेश मिश्रा ने कहा यह वीडियो फर्जी है तो बहुत से वीडियो है बीजेपी के मंत्रियों की। ऐसा हुआ होगा तभी वीडियो आया। ब्राह्मण वर्ग को बदनाम करने की साजिश है। पुष्पेंद्र सिंह ने कहा ऐसे बयान देना लोकतंत्र के लिए ठीक नहीं है। जातियों को भी देखना होगा कि वे किसे वोट करती है। प्रो. रविकांत ने कहा चुनावी बेला है, ऐसे में आजकल हर टिप्पणी के मायने हैं। कटु टिप्पणी बीजेपी को ही नहीं, समाज को भी नुकसान पहुंचाती है। लक्ष्मण यादव ने कहा, हर टिकट पर जातिवाद, सभी दल कर रहे हैं। सबसे पहले तो जातिवाद को दूर रखना होगा, तभी प्रदेश का कल्याण संभव होगा। अजय शुक्ला ने कहा वेस्ट यूपी में लोग काफी समझदार है, जाति और कट्टरता नहीं है मगर ऐसे बयानों से चुनाव में असर पड़ेगा। अभिषेक कुमार ने कहा बंगाल के ब्राह्मणों ने बीजेपी को बता दिया है। अशोक वानखेड़े ने कहा जिस पार्टी में ब्राह्मण बार-बार बेइज्जत हो रहे हैं, वहां इसका विरोध क्यों नहीं। मुरली मनोहर जोशी उदाहरण है। बलियान का बयान सुनने के बाद जागना चाहिए।

गर्मी नहीं, नौजवानों की भर्ती की बात करें यूपी सरकार : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने सीएम योगी पर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा व सीएम योगी पर निशाना साधते हुए कहा कि इधर मुख्यमंत्री की जो भाषा बदली है, इससे साफ है चुनाव में हार की बौखलाहट है। अखिलेश बोले कि फ्रिज में ठंडी चीज रखने के लिए कम्प्रेशर होता है, ज्यादा नहीं बोलना। और जो वो गर्मी की बात कर रहे हैं, गर्मी नहीं, नौजवानों की भर्ती की बात करें।

हमारी सरकार में नौजवानों को रोजगार दिया जाएगा। हमें गर्मी नहीं दिखानी है, शांति से काम करना है। उन्होंने कहा बजट में भी किसानों के साथ धोखा हुआ है। बेरोजगारों के चप्पल घिस रहे हैं और इस सरकार ने लगातार महंगाई बढ़ाई है। सपा प्रमुख ने कहा आज तीन तारीख है और तीन तारीख को ही किसान कुचले गए, मुझे इस बात का बहुत दुख है। इतना ही कहूंगा कि किसान अपना मान सम्मान बचाने को लेकर बीजेपी का सफाया कर दें तो ही इनकी गर्मी निकलेगी। बाबा मुख्यमंत्री को भाजपा ने गोरखपुर से टिकट देकर पहले ही पैदल कर दिया है, बाकी जनता जवाब देगी।

किसान करेंगे बीजेपी की विदाई : जयंत

सपा प्रमुख अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लगे हुए हैं। ऐसे में वह यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ पर जमकर निशाना साध रहे हैं। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वह सिर्फ जनता को गुमराह करना जानती है। जयंत चौधरी ने अखिलेश का साथ देते हुए कहा गठबंधन सरकार ही भाजपा का सफाया करेगी। किसान हमारे साथ है, किसान जल्द बीजेपी की विदाई करेगी।

पंकज सिंह के लिए प्रचार करने पहुंचे मनोज तिवारी का विरोध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नोएडा में भाजपा प्रत्याशी और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के बेटे पंकज सिंह का प्रचार करने पहुंचे सांसद मनोज तिवारी को विरोध का सामना करना पड़ा। मनोज तिवारी का विरोध कर रहे लोगों ने न सिर्फ उनके खिलाफ नारेबाजी की, बल्कि उन्हें जूता तक दिखा दिया। उनके विरोध का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो सेक्टर-17 की झुग्गियों का बताया जा रहा है। इसमें अखिलेश यादव जिंदाबाद का नारा लगाते हुए लोग उन्हें वापस जाने के लिए कह रहे हैं। इस बीच एक वोटर पहले नारे लगाता है फिर जूता दिखाकर विरोध करता है।

» विरोध का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

बता दें कि सांसद मनोज तिवारी नोएडा से चुनावी मैदान में उतरे पंकज सिंह का प्रचार करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्हें विरोध का सामना करना पड़ा। वीडियो में एक महिला भी मनोज तिवारी का विरोध करती नजर आ रही है। वीडियो में नजर आ रहा है कि मनोज तिवारी के प्रचार के दौरान एक महिला भी अखिलेश यादव का नारा लगाते हुए वहां से चली जाती है। ये वीडियो नोएडा के सेक्टर-17 स्थित झुग्गी-झोपड़ी का बताया जा रहा है। मनोज तिवारी भाजपा प्रत्याशी के लिए डोर टू डोर कैंपेन करने पहुंचे थे। इसकी शुरुआत शाम को सेक्टर-17 झुग्गी झोपड़ी से हुई थी। यही उनका विरोध हो गया। विरोध के बावजूद मनोज तिवारी ने श्रमिक कुंज, सेक्टर-66, सेक्टर-71, सेक्टर-82 में डोर टू डोर कैंपेन चलाकर लोगो से पंकज सिंह को भारी बहुमत से जिताने की अपील की। बता दें कि नोएडा के जे कॉलोनी में पूर्वांचल और बिहार के लोग भारी संख्या में रहते हैं। इन्हें जब मनोज तिवारी के आने की सूचना मिली तो भारी भीड़ एकत्रित हो गई। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सिराथू में केशव, लखनऊ में अंजनी सहित कई प्रत्याशियों ने भरा पर्चा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी की नौ विधानसभा सीटों पर लगभग सभी प्रत्याशियों ने नामांकन कर दिया है। भारतीय जनता पार्टी से लखनऊ पश्चिम से अंजनी श्रीवास्तव व उत्तर से नीरज बोरा ने भी आज अपना नामांकन किया। मलिहाबाद से जया देवी सीटिंग विधायक, बीकेटी से योगेश शुक्ला ने भी पर्चा दाखिल किया। वहीं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सिराथू से पर्चा दाखिल किया है। नामांकन से पहले उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शीतला माता का आशीर्वाद लिया। पूजा शुक्ला ने भी नामांकन किया है।

इससे पहले कौशांबी में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का नामांकन जुलूस निकला। सुबह डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने अपने कसिया स्थित आवास पर शिव आराधना की। इसके बाद वह पत्नी राजकुमारी सहित कड़ा धाम स्थित मां शीतला के दर्शन पूजन को पहुंचे। जहां उन्होंने मां शीतला से पूजा-अर्चना कर विजय का आशीर्वाद मांगा। बतौर उम्मीदवार केशव मौर्य पैतृक घर पहुंचे, जहां उन्होंने मां धनपति देवी छूकर आशीष लिया। मां धनपति देवी ने बेटे केशव के माथे पर तिलक लगाया और विजय के पथ पर आगे बढ़ते रहने का आशीर्वाद दिया।

संजय निषाद के बेटे सरवन को चौरी चौरा से टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश 2022 विधानसभा के चुनाव में बड़े-बड़े दलों सियासी दलों के साथ छोटे दलों की साख भी दांव पर लगी है। उत्तर प्रदेश की मौजूदा राजनीति में छोटे दलों के सहारे ही बड़ी पार्टियां अपनी चुनावी वैतरणी पार करने में जुटी हैं। ऐसे में भारतीय जनता पार्टी के साथ गठबंधन कर चुके एमएलसी संजय निषाद की निषाद पार्टी भी एनडीए की सरकार बनाने का दावा कर रही है। इसी क्रम में निषाद पार्टी ने आज छह प्रत्याशी के नाम घोषित कर दिए। संजय निषाद के बेटे सरवन निषाद को चौरी चौरा से टिकट मिला, हंडिया से प्रशांत सिंह राहुल, करछना से पीयूष रंजन निषाद, सैदपुर से सुभाष पासी, मेंहदावल से अनिल त्रिपाठी प्रत्याशी बनाया गया और जयसिंहपुर से राजबाबू उपाध्याय प्रत्याशी बनाए गए हैं।

कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थ नाथ पर हमला, आरोपी के पास से ब्लेड बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। यूपी चुनाव में नामांकन के लिए जा रहे योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह पर एक युवक ने हमले का प्रयास किया। इससे हड़कंप मच गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से ब्लेड और केमिकल बरामद किया गया है।

योगी सरकार के कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह आज जब नामांकन करने के लिए जा रहे थे। इसी बीच एक युवक जो भाजपा का पुराना कार्यकर्ता है उसने मंत्री पर हमले का प्रयास किया। वह मंत्री तक पहुंच पाता कि लोगों ने उसे दबोच लिया। इससे हड़कंप मच गया। उसे तत्काल पुलिस के हवाले कर दिया गया। भाजपा पार्षद अखिलेश सिंह ने बताया कि मौके पर वह भी मौजूद थे। आरोपी युवक सिद्धार्थनाथ तक नहीं पहुंच सका था। सिद्धार्थनाथ अपने कार्यालय से नामांकन के लिए निकल चुके हैं। बताया जाता है कि मंत्री मुंडेरा स्थित अपने कार्यालय पर पहुंचे थे। अभी वह सीढ़ी पर चढ़ रहे थे कि एक युवक उनकी तरफ तेजी से लपका। वह हमला कर पाता कि आसपास मौजूद कार्यकर्ताओं ने उसे दबोच लिया।

गोहरी कांड पर 4पीएम की खबर का असर

एसआईटी की जांच में सभी आरोपी बेगुनाह

» कांड को लेकर सियासी दलों में रहा उबाल, सवालों के घेरे में प्रयागराज पुलिस

अमित कुमार श्रीवास्तव

प्रयागराज। जिले के गोहरी कांड पर 4पीएम की खबर का असर हुआ है। इस पूरे मामले में एसआईटी की जांच में सभी आरोपी निर्दोष निकले है। 4पीएम ने गोहरी कांड पर सबसे पहले सवाल उठाया था। ठाकुर वर्सेज दलित को लेकर प्रयागराज पुलिस के आलाधिकारियों ने आनन-फानन में फर्जी खुलासा कर डाला था। बता दें कि फाफामऊ के गोहरी में 25 अक्टूबर को एक ही परिवार के चार लोगों की हत्या कर दी गई थी।

एक युवती से दुष्कर्म की बात भी सामने आई थी। इस मामले में सबसे पहले पड़ोसी ठाकुर परिवार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिनसे परिवार की पुरानी रंजिश चल रही है। बाद में पुलिस ने आनन फानन में खुलासा कर दिया था कि हत्या युवती के प्रेमी पवन सरोज ने की थी। बेगुनाह पवन सरोज सहित तीन को पुलिस ने जेल भेज दिया था। बाद में जांच के बाद पवन के मौसेरे भाई रजनीश और उसके साथी शशि को भी पुलिस ने जेल भेजा था। पुलिस ने पवन और युवती के मोबाइल कॉल डीटेल्स को आधार बनाया था, जिसमें अंतिम मैसेज में युवती ने पवन को आई हेट यू लिखा था। पुलिस का कहना था कि पवन ने ही मर्डर और दुष्कर्म किया है। एडीजी जोन प्रयागराज प्रेम प्रकाश ने इस मामले का खुलासा किया था। पुलिस का कहना था कि तीनों को साक्ष्य के आधार पर ही जेल भेजा गया है। इस मामले में एसपी क्राइम के नेतृत्व में एसआईटी का भी गठन हुआ था। एसआईटी ने अपनी जांच में पाया कि हत्या और दुष्कर्म में तीनों युवकों का रोल नहीं है। इसमें डीएनए रिपोर्ट समेत तमाम जांचों की रिपोर्ट का भी उल्लेख किया गया है।

सांध्य दैनिक 4PM खबर का असर

फिर से होगी जांच

एसएसपी अजय कुमार ने बताया कि अब इस मामले की फिर से जांच की जाएगी। अभी एसपी क्राइम के नेतृत्व में एसआईटी जांच कर रही है। एसआईटी में कुछ और अधिकारियों को शामिल किया जाएगा। एक दो दिन में वह मौके पर जाएंगे। पूरी जांच और विवेचना का पर्यवेक्षण वह खुद करेंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।